नव वर्ष मंगलमय हो

संवाद पत्र

पूर्वोत्तर सीमा रेल
निर्माण संगठन

अंक 17 | वर्ष : पंचम | त्रैमासिक | जनवरी, 2011

# सुश्री ममता बनर्जी, माननीया रेलमंत्री द्वारा बालुरघाट में शिलान्यास

बालुरघाट में तीन नई रेल लाइनों का शिलान्यास करते हुए सुश्री ममता बनर्जी, माननीया रेल मंत्री, श्री मुकुल राय, माननीय जहाजरानी राज्य मंत्री, भारत सरकार तथा श्री केशव चन्द्रा, महाप्रबंधक/पू.सी.रेल

सुश्री ममता बनर्जी, माननीया रेलमंत्री ने दिनांक 16.12.2010 को बालुरघाट में श्री मुकुल राय, माननीय जहाजरानी राज्य मंत्री, भारत सरकार की गरिमामय उपस्थिति में बालुरघाट से हिली (29 कि.मी), कलियागंज से बुनियादपुर (33.86 कि.मी.) और गाजोल से इटाहार (27.2 कि.मी) नई रेल लाइनों का शिलान्यास किया। श्री केशव चन्द्रा, महाप्रबंधक/पू.सी.रेल तथा श्री वरूण भरथुआर, महाप्रबंधक, पूर्व रेल भी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

## बालुरघाट-हिली- नई रेल लाइन परियोजना

आजादी से पहले हिली वर्तमान दक्षिण दिनाजपुर का खंड मुख्यालय था और एक बहुत ही हलचल-भरा और व्यस्त रेलवे स्टेशन था। विभाजन से पहले हिली से गुजरने वाली रेलवे लाइन ही कोलकाता से संपर्क का एकमात्र मार्ग था। भारत के विभाजन के साथ यह रेल लाइन पूर्व पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) चली गई और यह रेल लाइन अभी भी भारत और बांग्लादेश के बीच अंतरराष्ट्रीय सीमा के समीप मौजूद है। रेल लाइन से जुड़ जाने पर इस जिले के सामाजिक-आर्थिक विकास में एक क्रांतिकारी परिवर्तन आएगा। इस जिले के पिछड़ेपन का एक सबसे महत्वपूर्ण कारण इसका राज्य के अन्य भागों से जुड़ा हुआ नहीं होना है। हिली के महत्व को ध्यान में रखते हुए बालुरघाट-हिली के लिए एक नई रेल लाइन (29 कि.मी.) के लिए प्रारंभिक इंजीनियरिंग सह यातायात सर्वे को 2009-2010 की ब्लू बुक में शामिल किया गया था।

## बुनियादपुर-कलियागंज नई लाइन परियोजना

प्रस्तावित बीजी लाइन कटिहार मंडल के वर्तमान बारसोई-राधिकापुर बीजी सिंगल ब्रांच लाइन के कलियागंज (बी श्रेणी स्टेशन) और वर्तमान एकलाखी-बालुरघाट बीजी सिंगल लाइन सेक्शन के बुनियादपुर (बी श्रेणी स्टेशन) को जोड़ेगी। यह लाइन पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले के रायगंज उपमंडल एवं दक्षिण दिनाजपुर जिले के गंगारामपुर उपमंडल से होकर गुजरेगी। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य अमीनपुर, कुशमंडी, फतेहपुर आदि कुछ महत्वपूर्ण स्थानों को आपस में जोड़ना है।

## गाजोल से इटाहार नई बीजी लाइन :

यह रेल लाइन 85.59 करोड़ रूपए की लागत पर एकलाखी-बालुरघाट नई लाइन परियोजना के सामग्री आशोधन के रूप में स्वीकृत की गई है। यह रेल लाइन पश्चिम बंगाल के तीन जिलों -मालदा, उत्तर दिनाजपुर तथा दक्षिण दिनाजपुर से होकर गुजरेगी।

## डी.ई.एम.यू. सेवा का शुभारंभ

हरी झंडी दिखाकर डी.ई.एम.यू. सेवा का शुभारंभ करते हुए माननीया रेल मंत्री, सुश्री ममता बनर्जी

माननीया रेलमंत्री जी ने कटिहार - मालदा टाउन और मालदा टाउन बालुरघाट सेक्शनों पर डी.ई.एम.यू सेवा का झंडा दिखाकर शुभारंभ किया तथा सुकना में एक नये पी.आर.एस, तीन नये यू.टी.एस सह पी.आर.एस, और ग्यारह नये यू.टी.एस केंद्रों को राष्ट्र को समर्पित किया।

| संरक्षक | मुख्य संपादक | संपादक | सहयोग |
|---|---|---|---|
| श्री केशव चन्द्रा | श्री बकरीदन | श्री जगन्नाथ | श्रीमती रंजु झा |
| महाप्रबंधक/निर्माण | मुख्य राजभाषा अधिकारी/नि | उप महाप्रबंधक/राजभाषा/नि | राजभाषा अधिकारी/नि |

# कैबिनेट सचिव और अध्यक्ष रेलवे बोर्ड का संयुक्त दौरा

*श्री के.एम. चंद्रशेखर, भारत सरकार के कैबिनेट सचिव की अध्यक्षता में गुवाहाटी में हुई बैठक में भाग लेते हुए अधिकारीगण।*

दिनांक 26 तथा 27-11-2010 को श्री के. एम. चंद्रशेखर, भारत सरकार के कैबिनेट सचिव ने भारत सरकार के अन्य सचिवों के साथ गुवाहाटी का दौरा किया और पूर्वोत्तर राज्यों की प्रमुख रेल एवं सड़क परियोजनाओं, खाद्यान्न एवं पेट्रोलियम उत्पादों की भंडारण परियोजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की। श्री विवेक सहाय, अध्यक्ष, रेलवे बोर्ड ने भी दिनांक 26 से 28-11-2010 तक पूर्वोत्तर सीमा रेल का दौरा किया तथा कैबिनेट सचिव के साथ एवं अलग से महाप्रबंधक/पूर्वोत्तर सीमा रेल तथा अन्य अधिकारियों के साथ चालू रेल परियोजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की। अध्यक्ष रेलवे बोर्ड महोदय ने दिनांक 28-11-2010 को अमोनी से कामाख्या रेल सेक्शन का रियर-विंडो निरीक्षण भी किया।

*श्री विवेक सहाय, अध्यक्ष, रेलवे बोर्ड के साथ हुई बैठक में भाग लेते हुए श्री केशव चन्द्रा, महाप्रबंधक, पू.सी.रेल तथा अन्य अधिकारीगण।*

# पूर्वोत्तर परिषद (एन ई सी) की 59वीं बैठक

श्री वी. के. हैंडिक, माननीय पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री की अध्यक्षता में दिनांक 28-09-2010 को पूर्वोत्तर परिषद (एन ई सी) की 59वीं बैठक नई दिल्ली में संसद के उपभवन में आयोजित हुई जिसमें सभी पूर्वोत्तर राज्यों के राज्यपालों एवं मुख्यमंत्रियों, केंद्रीय मंत्रालयों एवं राज्य सरकारों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। रेलवे की ओर से रेलवे बोर्ड के कार्यकारी निदेशक/वर्क्स तथा कार्यकारी निदेशक/योजना एवं पूर्वोत्तर सीमा रेल के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण ने बैठक में भाग लिया और पूर्वोत्तर क्षेत्र में रेलवे की कार्य योजना एवं विकास की स्थिति पर प्रस्तुतीकरण दिया। प्रस्तुतीकरण के दौरान रेल परियोजनाओं की प्रगति को प्रभावित करने वाले विभिन्न मामलों अर्थात् भू-अधिग्रहण, सुरक्षा, सड़कों एवं कमजोर पुलों की दयनीय स्थिति आदि को प्रमुखता से उठाया गया।

# महाप्रबंधक का नव वर्ष संदेश

*प्रिय साथियो,*

नव वर्ष 2011 के इस शुभ अवसर पर मैं पूर्वोत्तर सीमा रेल, निर्माण संगठन के सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और उनके परिजनों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ। ईश्वर से प्रार्थना है कि वर्ष 2010 की तरह यह वर्ष भी हमारे संगठन और हम सभी के लिए सुखमय एवं मंगलमय हो और हम अपने कार्यों में अधिकाधिक प्रगति करें।

मुझे खुशी है कि हमारे संगठन ने वर्ष 2010 में अपने सभी कार्य क्षेत्रों में शानदार प्रगति की है और सभी परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा किया है। मुझे विश्वास है कि हमारा संगठन इस वर्ष भी सभी परियोजनाओं को समय पर और सफलतापूर्वक पूरा करने का प्रयास करेगा। मुझे आशा है कि हमारे सभी अधिकारी और कर्मचारी अपने-अपने कार्य क्षेत्रों में तत्परता और दृढ़ संकल्प से कार्य करते हुए अपने कार्यों को कुशलतापूर्वक पूरा करेंगे। आप जानते हैं कि पूर्वोत्तर राज्यों में चल रही विभिन्न परियोजनाओं और उनसे संबंधित गतिविधियों की प्रगति के बारे में हम नियमित रूप से " संवाद पत्र " के माध्यम से जानकारी देते रहे हैं। पिछले 4 वर्षों में संगठन के अधिकारियों और कर्मचारियों ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा से रूबरू कराया है। मुझे आशा है कि हमारे संगठन के अधिकारी और कर्मचारी इसी तरह आगे भी इस "संवाद पत्र" के माध्यम से अपनी प्रतिभा को और उजागर करेंगे तथा इसमें अपना पूरा योगदान देंगे। इस "संवाद पत्र" का उद्देश्य मुख्यत: संगठन के विभिन्न कार्य क्षेत्रों और उनकी प्रगति का समय-समय पर लेखा-जोखा प्रस्तुत करना और इसके साथ-साथ निर्माण संगठन मुख्यालय एवं इसकी यूनिटों में राजभाषा के रूप में हिंदी का प्रचार-प्रसार करना भी रहा है। हमारे संगठन के राजभाषा विभाग द्वारा भारत सरकार (गृह मंत्रालय) तथा रेल मंत्रालय द्वारा जारी राजभाषा नीति संबंधी आदेशों और निदेशों की जानकारी भी समय-समय पर " संवाद पत्र " के माध्यम से बराबर दी जाती रही है और इसके अगले अंकों में भी आवश्यकतानुसार महत्वपूर्ण जानकारी देने का प्रयास किया जाएगा।

आइये, इस नव वर्ष में हम सब अपने सरकारी और पारिवारिक कार्यों को निष्ठापूर्वक एवं एक नई इच्छाशक्ति के साथ पूरा करने का संकल्प लें।

मैं पुन: निर्माण संगठन और आप सभी की समृद्धि एवं सुख-शांति की कामना करता हूँ।

जय हिंद!

के चन्द्रा

(केशव चन्द्रा)
महाप्रबंधक/निर्माण
पूर्वोत्तर सीमा रेल, मालीगांव

## सतर्कता जागरूकता सप्ताह

*सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अवसर पर शपथ ग्रहण समारोह*

दिनांक 25-10-2010 से 01-11-2010 तक "सतर्कता जागरूकता सप्ताह" मनाया गया जिसकी शुरूआत दिनांक 25-10-2010 को निर्माण मुख्यालय एवं फील्ड यूनिटों में निर्माण संगठन के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के शपथ ग्रहण समारोह के साथ हुई। इस अवसर पर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और मुख्य सतर्कता आयुक्त के संदेश भी पढ़ कर सुनाए गए। इस दौरान सतर्कता जागरूकता से संबंधित बैनर, पोस्टर आदि भी प्रदर्शित किए गए।

## सांप्रदायिक सद्भावना सप्ताह का आयोजन

*सांप्रदायिक सद्भावना सप्ताह के अवसर पर शपथ ग्रहण समारोह*

पूर्व प्रधान मंत्री, स्वर्गीया इंदिरा गांधी के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 19-11-10 को संगठन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए मुख्यालय परिसर में शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया और निर्माण संगठन में दिनांक 19.11.2010 से 25.11.2010 तक सांप्रदायिक सद्भावना सप्ताह मनाया गया।

## झंडा दिवस

दिनांक 25.11.2010 को "झंडा दिवस" मनाया गया और इस अवसर पर निर्माण संगठन के अधिकारियों और कर्मचारियों की ओर से 6950/- रूपए की राशि एकत्रित हुई। इस राशि को सचिव, "नेशनल फाउंडेशन फॉर कम्युनल हॉर्मनी, नई दिल्ली" को भेजा गया।

## हिंदी सप्ताह पुरस्कार वितरण समारोह

*हिंदी सप्ताह पुरस्कार वितरण समारोह में श्री केशव चन्द्रा, महाप्रबंधक/निर्माण को हिंदी पुस्तक भेंट करते हुए श्री राधे श्याम, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण एवं श्री बकरीवन, मुख्य राजभाषा अधिकारी/निर्माण*

निर्माण संगठन में 14 से 20 सितंबर तक आयोजित हिंदी सप्ताह समारोह के दौरान अधिकारियों तथा कर्मचारियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं- जैसे राजभाषा प्रश्नोत्तरी, हिंदी टिप्पण, हिंदी निबंध एवं वाक् प्रतियोगिता तथा बच्चों के लिए कविता पाठ प्रतियोगिता करवाई गई थीं। दिनांक 13.10.2010 को श्री केशव चन्द्रा, महाप्रबंधक/निर्माण के कर-कमलों से उक्त प्रतियोगिताओं के विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए गए। बच्चों को पुरस्कार के रूप में उपहार दिए गए, तीन हिंदी प्रतियोगिताओं के लिए नकद पुरस्कार दिए गए तथा अधिकारियों और कर्मचारियों को राजभाषा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के लिए पुरस्कार के रूप में हिंदी पुस्तकें दी गई।

*श्री बी.बी. चक्रवर्ती, वि.स. एवं सुलेखि/नि-2 को पुरस्कार प्रदान करते हुए श्री केशव चन्द्रा, महाप्रबंधक/निर्माण*

## पूर्वोत्तर में आधारभूत संरचना के विकास में पू. सी. रेल की भूमिका

"पूर्वोत्तर में आधारभूत संरचना के विकास में पू. सी. रेल की भूमिका" विषय पर अर्बन इन्फ्राकॉन-10 में महाप्रबंधक/निर्माण ने दिनांक 29-10-2010 को एक प्रेजेंटेशन दिया। इसका आयोजन इंडियन चेंबर ऑफ कॉमर्स ने किया और उद्घाटन श्री स्वागत राय, शहरी विकास राज्यमंत्री, भारत सरकार ने किया।

# राष्ट्रीय परियोजनाएं

### जिरिबाम से तुपुल तक नई बी जी लाइन ( 98 कि.मी.) :

तुपुल-इंफाल सेक्शन में फाइनल लोकेशन सर्वे का कार्य प्रगति पर है और कुल 26 कि. मी. में से 15 कि. मी. पूरा किया गया तथा शेष दिसंबर, 2010 तक पूरा किया जाना है। 1160.56 हेक्टेयर भूमि में से 654.462 हेक्टेयर भू-अधिग्रहण तथा 439.61 लाख क्यूबिक मीटर में से 132.16 लाख क्यूबिक मीटर भू-कार्य, 84.00 कि.मी में से 7.40 कि.मी फार्मेशन, 89 में से 24 छोटे पुल, 8 में से 2 आर.ओ.बी./आर.यू.बी तथा 37623 मीटर में से 15 मीटर सुरंगीकरण का कार्य अब तक पूरा किया गया। आर्थिक नाकेबंदी और वर्तमान सुरक्षा परिदृश्य के कारण कार्य प्रगति पूरी तरह प्रभावित हुई है।

### बोगीबिल के निकट ब्रह्मपुत्र नदी पर उत्तरी एवं दक्षिणी तटों पर लिंक लाइनों सहित रेल-सह-सड़क पुल :

पुल के उत्तरी और दक्षिणी तटों पर तटबन्धों, मार्गदर्शी बांधों, छोटे एवं बड़े पुलों, स्टेशन निर्माण कार्य, बांधों का उत्थान एवं मजबूतीकरण का कार्य प्रगति पर है ।

वन क्षेत्र में आने वाले साऊथ डाइक के 3 कि. मी. को छोड़कर उत्तरी एवं दक्षिणी डाइकों का उत्थान एवं मजबूतीकरण कार्य पूरा कर लिया गया है। शेष 3 कि. मी. के लिए ठेका दे दिया गया तथा काम शुरू कर दिया गया है। उत्तरी एवं दक्षिणी तटबंध पर उत्तरी एवं दक्षिणी तटबांधों, बांधों एवं मार्गदर्शी बांधों के कुल 288.52 लाख क्यूबिक मीटर में से 280.55 लाख क्यूबिक मीटर भू-कार्य पूरा किया गया। मुख्य पुल के अधिसंरचना कार्य के लिए, निविदा समिति की अनुशंसाओं को स्वीकृति हेतु रेलवे बोर्ड में दिनांक 14-05-2010 को प्रस्तुत किया गया। बोगीबिल पुल परियोजना के दक्षिणी तट सेक्शन पर मोरानहाट-चाउलखोवा (44 कि.मी.) रेल लिंक को दिनांक 08-12-09 को चालू किया गया तथा दिनांक 29-01-2010 को यह ओपन लाइन को सुपुर्द कर दिया गया।

### तेतेलिया से बरनीहाट तक नई बीजी लाइन (21.50 कि.मी.) (आजरा-बरनीहाट नई लाइन का वैकल्पिक संरेखण) :

रेलवे बोर्ड के दिनांक 13-10-09 के पत्र संख्या 2001/डब्ल्यू-1/एन एफ/एन एल/सी ए/6-पार्ट के तहत आजरा-बरनीहाट नई लाइन के वैकल्पिक संरेखण के रूप में तेतेलिया-बरनीहाट का साध्यता अध्ययन किया गया । असम, मेघालय की राज्य सरकारों एवं ओपन लाइन द्वारा प्रस्तावित वैकल्पिक संरेखण को अनुमोदित किया गया। तेतेलिया से बरनीहाट तक फाइनल लोकेशन सर्वे पूरा किया जा चुका है। रेलवे बोर्ड द्वारा दिनांक 05-08-2010 को कुल 384.04 करोड़ रूपए का विस्तृत प्राक्कलन स्वीकृत किया जा चुका है।

### दिमापुर से जुब्जा (कोहिमा) तक (88 कि.मी.) नई लाइन:

जमीन पर संरेखण के स्टेकिंग सहित दिमापुर से कोहिमा (123 कि.मी.) तक संपूर्ण सेक्शन के लिए एफ एल एस पूरा किया जा चुका है। भू-तकनीकी जाँच प्रगति पर है। दिमापुर के निकट दो स्थानों पर जहाँ संरेखण जैविक उद्यान से होकर गुजरती है, के लिए राज्य सरकार से पहले मांगा गया अनुमोदन अभी भी प्रतीक्षित है। राज्य सरकार से भू-दर का 10 रू. से 60 रू. प्रति वर्ग फुट करने के कारण आई काफी भिन्नता के बारे में पूछा गया है। उनसे इस पर पुनर्विचार करने का अनुरोध किया गया है एवं उचित स्तर तक दर कम करने का अनुरोध किया गया है। रेलवे बोर्ड ने निष्पादन हेतु इस कार्य को आर वी एन एल को देने का निर्णय लिया है।

### अगरतला से सबरूम तक नई बीजी लाइन ( 110 कि.मी.)

फाइनल लोकेशन सर्वेक्षण का कार्य तथा अगरतला से सबरूम तक सम्पूर्ण सेक्शन के लिए भूमि पर संरेखण की स्टेकिंग का कार्य पूरा किया गया। भू-तकनीकी जाँच पूरी कर ली गई है। दिनांक 29.07.09 को रेलवे बोर्ड ने अगरतला से उदयपुर तक 44 कि. मी. के लिए कुल 336.17 करोड़ रूपये का आंशिक विस्तृत प्राक्कलन स्वीकृत कर दिया है। उदयपुर से सबरूम तक शेष 66.0 कि.मी. सेक्शन के लिए कुल 777.67 करोड़ रूपए का का पार्ट-II विस्तृत प्राक्कलन रेलवे बोर्ड द्वारा दिनांक 23-11-2010 को स्वीकृत किया जा चुका है।

### भैरवी से सैरंग ( 51.38 कि.मी.) तक नई बड़ी लाइन :

भैरवी-सैरंग (51.38 कि.मी.) नई बीजी लाइन हेतु फाइनल लोकेशन सर्वे पूरा किया जा चुका है एवं कुल 2429.41 करोड़ रूपए का विस्तृत प्राक्कलन दिनांक 02-07-10 को स्वीकृति हेतु रेलवे बोर्ड भेजा गया।

### सेवक से रंगपो तक नई बड़ी लाइन: (50.87 कि.मी.) :

यह परियोजना मेसर्स इरकॉन को निष्पादन हेतु सौंपी गई है। दिनांक 30-12-09 को 3380.58 करोड़ रूपये का विस्तृत प्राक्कलन स्वीकृति हेतु रेलवे बोर्ड भेजा गया है। दिनांक 20-02-2010 को वास्तविक कार्य का शुभारंभ किया गया है। दिनांक 19-7-10 को शुरू के 5 कि.मी. की लम्बाई के लिए सर्वे जाँच कार्य एवं भू-अधिग्रहण हेतु वन विभाग से अनापत्ति लेने का आवेदन राज्य सरकार को प्रस्तुत कर दिया गया।

### बरनीहाट से शिलांग तक नई बीजी लाइन ( 108.4 कि.मी.):

यह नया कार्य 4083.02 करोड़ रूपए की अनुमानित लागत तथा वर्ष 2010-11 के लिए 20.00 करोड़ रूपए के परिव्यय के साथ 2010-11 के रेल बजट में सम्मिलित किया गया है। मेघालय सरकार ने सिद्धांततः प्रस्तावित संरेखण का अनुमोदन कर दिया है। निर्माण पूर्व क्रियाकलापों के लिए आंशिक विस्तृत प्राक्कलन स्वीकृत किया गया।

बरनीहाट-शिलांग नई लाइन परियोजना के अंतर्गत बरनीहाट से लईलाड सेक्शन (19.10 कि.मी.) के लिए कुल 883.72 करोड़ रूपए का आंशिक विस्तृत प्राक्कलन स्वीकृति हेतु दिनांक 21-10-10 को रेलवे बोर्ड भेजा गया।

खासी स्टूडेंट यूनियन ने राज्य सरकार के साथ अपने लम्बित मामलों के कारण एफ एल एस कार्य को जबर्दस्ती रूकवा दिया है। मामले की जानकारी राज्य सरकार को दे दी गई है। दिनांक 16-11-2010 को मुख्य सचिव, मेघालय के साथ बैठक के दौरान इस मामले को उठाया गया है।

### कुमारघाट-अगरतला नई लाइन (109 कि.मी.) :

कुमारघाट से मानु (20 कि.मी.) दिनांक 27-12-2002 को चालू किया गया । मानु-अगरतला (89 कि.मी.) कार्य पूरा किया गया। यह सेक्शन एम जी ट्रेन सर्विस के लिए दिनांक 05-10-08 को चालू कर दिया गया ।

### लमडिंग-सिलचर-जिरिबाम, बदरपुर से बराईग्राम एवं बराईग्राम-कुमारघाट का आमान परिवर्तन (367.79 कि.मी.) :

इस परियोजना का सबसे जटिल कार्य सुरंग संख्या-10 (3235 मी. लम्बी) है जिसके लिए दिनांक 09-10-10 को जोखिम एवं लागत निविदा को अंतिम रूप दिया गया तथा कार्य प्रारम्भ किया गया।

### लिंक फिंगर्स सहित रंगिया-मुकोंगसेलेक आमान परिवर्तन ( 510.33 कि.मी.)

कुल 59.728 लाख क्यूबिक मीटर में से 31.585 लाख क्यूबिक मीटर भू-कार्य, 510.48 कि. मी. में से 190.10 कि. मी. फार्मेशन, 661 छोटे पुलों में से 254 छोटे पुल, 206 बड़े पुलों में से 80 की उप संरचना एवं 12 की अधिसंरचना, कुल 60 हेक्टेयर में से 13.83 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहण और 14.09 लाख क्यूबिक मीटर में से 1.85 लाख क्यूबिक मीटर गिट्टी आपूर्ति की संचयी प्रगति रही। 3 पुलों (45.72 मी. के 13 स्पॉन) एवं एक पुल (30.50 मीटर के 4 स्पॉन) के स्टील गर्डरों के फेब्रीकेशन के लिए कार्य आदेश साबरमती रेलवे वर्कशॉप को दे दिया गया है और फेब्रीकेशन प्रगति पर है।

## वित्तीय निष्पादन 2010-2011

2010-2011 का परिव्यय

- रेलवे बजट = 960.21 करोड़ रूपये
- अतिरिक्त बजटीय सहायता (प्रथम 6 माह के लिए) = 385.89 करोड़ रूपये
- निक्षेप कार्य (रक्षा मंत्रालय) = 0.62 करोड़ रूपये

कुल = 1346.72 करोड़ रूपये

खर्च 2010-2011

- नवंबर,10 के दौरान खर्च (लगभग) = 96.24 करोड़ रूपये
  + 0.00 करोड़ रूपये (निक्षेप कार्य)

कुल = 96.24 करोड़ रूपये

- नवंबर,10 तक संचयी खर्च (लगभग)= 837.94 करोड़ रूपये
  + 0.58 करोड़ रूपये (निक्षेप कार्य)

कुल = 838.52 करोड़ रूपये

- परिव्यय का खर्च (%) = 62.26 %

## सिगनल एवं दूरसंचार निर्माण कार्य

| कार्य | प्रगति | लक्ष्य |
|---|---|---|
| ♦ पानीटोला-डिब्रूगढ़ टाउन : स्टन्डर्ड III पैनल इन्टरलॉकिंग तथा एम.ए.सी.एल. द्वारा सिगनलों का पुन:स्थापन (राजधानी मार्ग, 5 स्टेशन) | पानीटोला से लाहोवाल तक 04 स्टेशनों पर कार्य शुरू किया गया। डिब्रूगढ़ टाउन में पी.आई कार्य चालू करने के लिए तैयार है। एन.आई. प्रोग्राम तकनीकी कारणों से प्रतीक्षित है। | 30.04.10 |
| ♦ न्यूजलपाईगुड़ी-बारसोई-मालदा टाउन व बारसोई-कटिहार गोबाइल ट्रेन रेडियो कम्युनिकेशन | कटिहार मंडल तथा अलीपुरद्वार मंडल के 'वे साइड सिस्टम' क्रमश: दिनांक 26.05.10 तथा 09.06.10 को ओपन लाइन को सौंप दिए गए। | कार्य पूरा हुआ। |
| ♦ न्यू जलपाईगुड़ी-बंगाईगांव-गुवाहाटी : मोबाइल ट्रेन रेडियो कम्युनिकेशन | पू.सी.रेल, मालीगांव का मोबाइल स्विचिंग केंद्र तथा रंगिया मंडल का 'वे साइड सिस्टम' देख-रेख हेतु क्रमश: 25.03.10 तथा 30.03.10 को ओपन लाइन को सौंप दिए गए। | कार्य पूरा हुआ। |

## वर्ष 2010-2011 में लक्ष्य निर्धारित परियोजनाओं की स्थिति

| परियोजना | प्रगति | लक्ष्य |
|---|---|---|
| ♦ फकीराग्राम से धुबड़ी 66 कि.मी.(आमान परिवर्तन) | 100 % | कार्य पूरा हुआ |
| ♦ मालदा टाउन-ओल्ड मालदा टाउन (0.4 कि.मी.) दोहरीकरण | 100 % | कार्य पूरा हुआ |
| ♦ न्यू गुवाहाटी-डिगारु ( 29.814 कि.मी.) दोहरीकरण | 91.27 % | दिसम्बर, 2010 |

## वर्कशॉप

| कार्य | प्रगति | लक्ष्य |
|---|---|---|
| ♦ डिब्रूगढ़ वर्कशॉप- पीरियाडिकल ओवरहालिंग क्षमता को 60 वी.जी. कोच प्रति माह करना | 100% | कार्य पूरा किया गया। वेली गटर कार्य प्रगति पर है। |
| ♦ किशनगंज- ट्रेन परीक्षण सुविधा का विकास | 90% | निधि की अनुपलब्धता तथा साइट क्लियरेंस के कारण कार्य बंद पड़ा है। |
| ♦ न्यू बंगाईगांव-वर्कशाप आरसीसी बाउंडरी वॉल | 73% | 3500 आरएम में से 2400 आरएम तक तथा 2.40 किमी पथ-वे में से 2.4 मीटर पथ-वे कार्य पूरा हुआ दिनांक 7.6.10 से कार्य बंद है। |
| ♦ सिलिगुड़ी जंक्शन डीज़ल लोकोशेड-100 लोकोमेटिव को रखने के लिए डीज़ल लोकोशेड का विस्तार | 40% | 31.03.11 |
| ♦ सिलिगुड़ी जंक्शन-डीज़ल बहुउद्देशीय यूनिट कारशेड के साथ रेल कार रख-रखाव की सुविधा | 35% | 31.03.11 |

## चालू सर्वेक्षण

| क्रम सं | सर्वेक्षण का नाम | स्वीकृति वर्ष | राज्य | प्रगति | पूरा करने की लक्ष्य तिथि |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | नॉर्थ लखीमपुर से सिलापथार नई लाइन | 2010-11 | असम | 40% | फरवरी, 2011 |
| 2. | गुवाहाटी-लामडिंग-तिनसुकिया-डिब्रूगढ़ दोहरीकरण | 2010-11 | असम | 35% | मार्च, 2011 |
| 3. | जोगीघोपा से बरपेटा, खत्येबाड़ी, हाजो तथा खुवालकुसी होकर गुवाहाटी तक नई लाइन | 2010-11 | असम | 30% | फरवरी, 2011 |
| 4. | लालाबाजार से वैरेंगटे (अपडेटिंग) | 2010-11 | असम तथा मिजोरम | 30% | जनवरी, 2011 |
| 5. | लेखापानी से खारसोंग (अपडेटिंग) | 2010-11 | असम तथा अरूणाचल प्रदेश | 30% | दिसंबर, 2010 |
| 6. | महादेवपुर, नामसेइ,चायंगखाम होकर रूपोई से परशुरामकुंड (अपडेटिंग) | 2010-11 | असम तथा अरूणाचल प्रदेश | 20% | जनवरी, 2011 |

## हिंदी कार्यशाला का आयोजन

*हिंदी कार्यशाला का एक दृश्य*

निर्माण संगठन के लिपिकवर्गीय कर्मचारियों के लिए दिनांक 25.10.2010 से 29.10.2010 तक 5 दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में राजभाषा नीति, राजभाषा अधिनियम, राजभाषा नियमों, वार्षिक कार्यक्रम तथा राजभाषा संबंधी प्रोत्साहन/पुरस्कार योजनाओं की जानकारी दी गई और कर्मचारियों को टिप्पण एवं प्रारूप लेखन तथा कार्यालयीन हिंदी व प्रशासनिक एवं रेल शब्दावली के बारे में भी जानकारी दी गई। इस कार्यशाला में 14 कर्मचारियों ने भाग लिया।

## क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

*क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का एक दृश्य*

सितंबर, 2010 को समाप्त तिमाही के लिए इस वर्ष की चौथी क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक संयुक्त रूप से श्री केशव चन्द्रा, महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर सीमा रेल की अध्यक्षता में दिनांक 29.12.2010 को आयोजित की गई। इस बैठक में रेल हिंदी सलाहकार समिति के सदस्य श्री हामिद अली ने प्रेक्षक के रूप में भाग लिया। बैठक में दोनों मुख्यालयों तथा अधीनस्थ मंडलों व फील्ड यूनिटों में राजभाषा के प्रचार-प्रसार से संबंधित विभिन्न मदों पर विचार-विमर्श किया गया और वर्ष 2010-11 के वार्षिक कार्यक्रम पर विस्तृत रूप से चर्चा की गई। ओपन लाइन की रिपोर्ट श्री सुरेश चंद्र पिंगुवा, उप महाप्रबंधक (राजभाषा) ने तथा निर्माण संगठन की रिपोर्ट श्री जगन्नाथ, उप महाप्रबंधक (राजभाषा)/निर्माण ने प्रस्तुत की। प्रेक्षक सदस्य और विभागों के सदस्यों ने कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। बैठक का संचालन श्री बकरीदन, भंडार नियंत्रक एवं मुख्य राजभाषा अधिकारी/निर्माण ने किया। महाप्रबंधक महोदय ने राजभाषा विभाग द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना करते हुए इसे बनाए रखने के निदेश दिए एवं सदस्यों द्वारा दिए गए कुछ सुझावों पर आवश्यक कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।

## दयांग नदी पर स्लिप फॉर्म प्रक्रिया द्वारा पुल का निर्माण

एम.जी.लाइन को बी.जी.लाइन में बदलने के लिए लामडिंग-सिलचर-जिरिबाम-बदरपुर-कुमारघाट (368 कि.मी.) आमान परिवर्तन परियोजना के अंतर्गत माइग्रेनडीसा और न्यू हाफलांग स्टेशनों के बीच पुल सं. III/59 (दयांग) का निर्माण किया जा रहा है। यह परियोजना दक्षिण असम, मिजोरम, मणिपुर तथा त्रिपुरा के लोगों के लिए जीवनरेखा है तथा वर्ष 2004 में इसे राष्ट्रीय परियोजना घोषित किया गया है। इस प्रस्तावित बी.जी.लाइन का लगभग 171 कि.मी. पहाड़ी क्षेत्र में आता है जिसमें 10.5 कि.मी सुरंगों, संकरी एवं गहरी घाटियों तथा टेढ़ी-मेढ़ी बहने वाली नदियों के ऊपर 63 बड़े पुलों के साथ-साथ विभिन्न प्रकार के 303 छोटे पुलों का निर्माण शामिल है। घुमावदार भू-क्षेत्र तथा पहुंच से बाहर स्थित कार्य-स्थलों के कारण, विशेषकर मानसून के दौरान, इस पहाड़ी सेक्शन में कार्य का निष्पादन कठिन हो जाता है। पुल संख्या III/59 (दयांग), हाफलांग के निकट दयांग नदी के आर-पार 11X61.00 मीटर स्टील गर्डर का निर्माण किया जा रहा है। यह 704 मीटर लम्बा रेल पुल लामडिंग-सिलचर आमान परिवर्तन परियोजना के अंतर्गत बनाया जा रहा है जो सबसे लम्बा तथा सबसे ऊँचा पुल है। इसके पीयर की अधिकतम ऊँचाई 51 मीटर है। इस पुल की महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि इसके ऊँचे पियरों के निर्माण में कास्टिंग के स्लिप फॉर्म प्रक्रिया का प्रयोग किया जा रहा है। स्लिप फॉर्म प्रक्रिया स्वीडिश टेक्नलॉजी पर आधारित है जो चिमनियों, कूलिंग टॉवरों आदि के निर्माण के लिए विकसित की गई है। भारत में पहली बार यह स्लिप फार्म प्रक्रिया आंध्रप्रदेश में वोडारेवु के 30 मीटर ऊँचे लाइट हॉउस के निर्माण के लिए शुरू की गई थी। पू.सी. रेल में इस प्रक्रिया का पहली बार पियरों के निर्माण के लिए प्रयोग किया जा रहा है।

## भारत रत्न, बाबा साहब भीमराव अंबेडकर का 54 वाँ महापरिनिर्वाण दिवस समारोह

*बाबा साहब के चित्र पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए श्री मदन सेन, मु.इंजी./नि/8 एवं अन्य अधिकारीगण।*

भारत रत्न, बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के 54 वें महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर 06 दिसम्बर, 2010 को पूर्वोत्तर सीमा रेल, निर्माण संगठन मुख्यालय के मुख्य भवन के प्रांगण में श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर निर्माण संगठन के अधिकारियों और कर्मचारियों ने बाबा साहब के चित्र पर पुष्प चढ़ाकर श्रद्धांजलि अर्पित की और देश के लिए उनके योगदान को याद किया।

# सेवानिवृत्त अधिकारियों/कर्मचारियों का विदाई समारोह

*सेवानिवृत्ति समारोह का एक दृश्य*

निर्माण संगठन की परिपाटी के अनुसार अक्तूबर, नवम्बर तथा दिसंबर, 2010 में सेवानिवृत्त हुए अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए विदाई समारोह आयोजित किए गए। इन अधिकारियों/कर्मचारियों को उनकी सेवानिवृत्ति के भुगतान संबंधी चैक तथा स्वर्ण जड़ित चांदी के पदक प्रदान किए गए।

निर्माण संगठन, सेवानिवृत्त हुए सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को उनके सुखद सेवानिवृत्त जीवन व पारिवारिक समृद्धि की शुभकामनाएं देता है।

# स्वागत

श्री अरविंद शेवरे ने दिनांक 13.12.2010 को मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण-2 का पदभार ग्रहण किया। इससे पहले वे वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड/आई.आर.एस.ई में उत्तर मध्य रेल पर मुख्य रेलपथ इंजीनियर के पद पर इलाहाबाद में कार्यरत थे।

# स्थानांतरण

1. श्री एस.के. बनर्जी, उप मुख्य सिगनल व दूर संचार इंजीनियर/नि/योजना का दिनांक 01.10.2010 को उप मुख्य सिगनल व दूर संचार इंजीनियर /डी/मालीगांव (ओपन लाइन) के पद पर स्थानांतरण हुआ।

2. श्री ए.के. दास, उप मुख्य सिगनल व दूर संचार इंजीनियर/नि/मालीगांव-2 का दिनांक 01.10.2010 को उप मुख्य सिगनल व दूर संचार इंजीनियर/नि/योजना के पद पर स्थानांतरण हुआ।

2. श्री टी.आर. राय प्रमाणिक, उप मुख्य सिगनल व दूर संचार इंजीनियर/नि/मालीगांव-1 का दिनांक 01.10.2010 को उप मुख्य सिगनल व दूर संचार इंजीनियर/ एफओआईएस /मालीगांव (ओपन लाइन) के पद पर स्थानांतरण हुआ।

4. श्री आनंद प्रकाश, मुख्य इंजीनियर/नि/1 का दिनांक 21.12.2010 को मुख्य इंजीनियर/टीपी/मुख्यालय ओपन लाइन, मालीगांव के पद पर स्थानांतरण हुआ।

5. श्री गुरदयाल सिंह, मुख्य सिगनल व दूर संचार इंजीनियर/नि/मालीगांव-2 का दिनांक 21.12.2010 को मुख्य सिगनल व दूर संचार इंजीनियर/मालीगांव (ओपन लाइन) के पद पर स्थानांतरण हुआ।

# पदस्थापन

1. श्री के.ए.नारायण, उप मुख्य सिगनल व दूर संचार इंजीनियर/पी एवं डी/मालीगांव (ओपन लाइन) दिनांक 01.10.2010 को उप मुख्य सिगनल व दूर संचार इंजीनियर/नि/मालीगांव-2 के पद पर पदस्थापित हुए।

2. श्री चंदन अधिकारी, मुख्य सिगनल व दूर संचार इंजीनियर/योजना/मालीगांव (ओपन लाइन) दिनांक 21.12.2010 को मुख्य सिगनल व दूर संचार इंजीनियर/नि/मालीगांव-2 के पद पर पदस्थापित हुए।

3. श्री रवीन्द्र राम, मुख्य इंजीनियर/टीपी/मालीगांव दिनांक 21.12.2010 को मुख्य इंजीनियर/नि/-1 के पद पर पदस्थापित हुए।

# बधाई

## अधिकारियों को जन्म दिवस पर हार्दिक बधाई

01 जनवरी, श्री मदन सेन, मुख्य इंजीनियर/नि/6
01 जनवरी, श्री के.वी. वाईपेई, वित्त सलाहकार एवं मुलेधि/निर्माण/1
01 जनवरी, श्री राजू कुमार दास, उप मुख्य इंजीनियर/नि/3/सिलचर
01 जनवरी, श्री के.एन. तालुकदार, उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/योजना
01 जनवरी, श्री एम. बरसैकिया, ,उप वि. स. व मुलेधि/नि/लामडिंग
02 जनवरी, श्री सोनेलाल, उप मुख्य परिचालन प्रबंधक/निर्माण
03 जनवरी, श्री एस.के बर्नवाल, उप मुख्य इंजीनियर/नि/सिलापथार-1
10 जनवरी, श्री के.ए.नारायण, उप मु.सि. व दू.सं. इंजी./नि/2/मालीगांव
12 जनवरी, श्री अनिल कुमार, उप मुख्य इंजीनियर/नि/2/सिलचर
15 जनवरी, श्री रविंद्र कुमार, उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/मालदा
15 जनवरी, श्री डी.एन. प्रसाद, उप वि. स. व मुलेधि/नि/एनजेपी
28 जनवरी, श्री ओम प्रकाश, मु.सि. व दू.सं. इंजी./नि/1/मालीगांव
01 फरवरी, श्री ए. कछारी, महाप्रबंधक/निर्माण के सचिव
01 फरवरी, श्री टी. दैमारी, उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/वर्क्स
01 फरवरी, श्री ए.के. दास, उप मु.सि. व दू.सं. इंजी/नि/मालीगांव
01 फरवरी, श्री आर.के. बोरा, उप मु.वि.इंजी./नि/2/मालीगांव
24 फरवरी, श्री रवि अमरोही, उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/निविदा
01 मार्च, श्री सुखबीर सिंह, उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/जिरिबाम
02 मार्च, श्री जे.के. चौधरी, उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/सर्वे
03 मार्च, श्री बी.के. तिरकी, मुख्य इंजीनियर/नि/5
06 मार्च, श्री ए.के. दास, उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/सिलचर-4
06 मार्च, श्री जगन्नाथ, उप महाप्रबंधक/राजभाषा/निर्माण
09 मार्च, श्री पी.के. सिंह, उप मुख्य कार्मिक अधिकारी/निर्माण
09 मार्च, श्री सरजीत चौधुरी, उप वि. स. व मुलेधि/नि//सिलचर
28मार्च, श्री राहुल साह, उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/सिलापथार-3

## अधिकारियों को विवाह वर्षगांठ पर हार्दिक बधाई

07 फरवरी, श्री के.सिंगसन, उप मु.सि. व दू.सं. इंजी./नि/एनजेपी
08 फरवरी, श्री अरविंद शेवरे, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/नि/2
15 फरवरी, श्री एस.प्रभु, उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/डिब्रूगढ़/1
20 फरवरी, श्री ए.प्रधान, उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/लामडिंग-2